

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 121]

न**ई** दिल्ली, बुधवार, मार्च 21, 1984/चैत्र 1, 1906

No. 121]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 21, 1984/CHAITRA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में

रखाजासको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग)

अधिसूचनाएं

नइ दिस्ली, 21 मार्च, 1984

का॰ आ॰ 175(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि काबेरी शुगर एण्ड कैमिकल्स लिमिटेड, काबेरी फैक्टरी जो तिमलनाडु राज्य के तिरुचिरापल्ली जिले में पेट्टाईबेंटाल्लई में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की माला में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रजन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पिड़त उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंतालय (खाद्य विभाग) की अधिमूतना सं० का० आ० 190(अ), तारंख 22 मार्च, 1983 के कम मं यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनने भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संन्थाओं के प्रत्याभूत दायित्यों से संबंधित है) से प्राट्यमून या उदभूत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायित्यों का, जिनका उक्त चीनों उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं. प्रवत्त 28 मार्च, 1984 से 6 फरवरी, 1985 तक की और अवधि के लिए निल्मांचन रहेगा।

[फा॰सं॰ 13-1/84 एन एस यू(ए)]

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 21st March 1984

S.O. 175(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Cauvery Sugar and Chemicals Limited, Cauvery Factory, manufacturing sugar at Pettaivaytalai in the district of Tiruchirapalli in the State of Tamil Nadu, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food No. S.O. 190(E), dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders

or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to second liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 1st February, 1985.

[F. No. 13-1|84-NSU(A)]

का०आ० 176(अ) — केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि अयोध्या शुगर मिल्स, जो उत्तर प्रदेश राज्य के मुरादाबाद जिले में राजा का सहसपुर में चीनी का जिनिर्माण कर रही है और जो अधि-सूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की माला में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, जीनी उपक्रम (प्रबन्ध ध्रहण) अधिनयम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के खाध और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिमूचना सं० का०आ० 191(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करनी है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी गंविवाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पक्षों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आयेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो वेंकों और विस्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत वायित्यों से संबंधित हैं) से प्रोवभृत या उदमूत होने वाली सभी बाय्यताओं और वायित्यों का, जिनका उक्स जीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जासकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 1 दिसम्बर, 1984 तक की और अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[फा॰सं॰ 13-1/84-एन एम यू (बी)]

S.O. 176(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Ajudhia Sugar Mills, manufacturing sugar at Raja-ka-Sahaspur in the district of Muradabad in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No S.O. 191(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or

which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 1st December, 1984.

[F. No. 13-1 84-NSU(B)]

का० आ० 177(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जीजामाता सहकारी शक्कर कारखाना लिमिटेड, जो महाराष्ट्र राज्य के बल्हाना जिले में संकर नगर में जीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिमूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीमी उद्योग के उत्पादन की माल्ला में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हिन में ऐसा करना आवश्यक है:

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंद (ख) द्वारा प्रदस्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 192(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के कम में यह प्रोधिस करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविद्याओं, सम्पत्ति हस्तान्सतरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापमों, पंचाटों, स्थायो आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत वायित्यों से संबंधित हैं) से प्रोदभूत या उदभूत होने वाली सभी बाष्यताओं और वायित्यों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्थामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या एसे स्थान्त को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 12 दिसम्बर, 1984 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं॰ 13/1/84-एन एस मू (सी)]

S.O. 177(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, Manufacting sugar at Shankarnagar in the district of Buldana in the State of Maharashtra, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) N. S.O. 192(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutitions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 12th December, 1984.

[F. No. 13-1|84-NSU(c)]

काठआठ 178(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि राय बहादुर नारायण सिंह गुगर मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेण राज्य के सहारनपुर जिल्ले में लक्सर में चीनी का बिनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचिन चीनी उपत्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की माला में कमी न होने देन की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीली उएकम (प्रबन्ध प्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धीरा 7 की उपधारा (2) के साथ पेठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवत्त गर्मितयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के खाध और नागरिक पूर्ति मंत्राक्षय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना संव काव्या 193(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम मे यह पीपित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं सम्पत्ति हस्तान्तरिण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, भंजाटों, स्वायी आवेगों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बेंकों और बिलीय संस्थाओं के प्रत्यामृत दायिखों से गंबंधित है) से प्रोद्भृत या उद्भृत होने बाली सभी बाध्यताओं और दायिखों का, जिनका उनत चीनी उपक्रम मा उनत चीनी उपक्रम मा उनत चीनी उपक्रम मा उनत चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उप का बा ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 1 फरवरी, 1985 तक की और अवधि के लिए निलम्बित रहेगा ।

[सं o 13/1/84-एन एस यू-डी]

S.O. 178(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Rai Bahadur Narain Singh Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Lasksar in the district of Sahampur in the State of Uttar Pradesh being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 193(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the March, 1984 to 1st February, 1985.

[F. No. 13-1|84-NSU(D)]

कां∘आं 179(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि श्री मीताराम शगर कम्पनी लिमिटेड, जो उत्तर प्रवेश राज्य के वेवरियां जिले में श्रीतालपुर में धीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में घीनी उद्योग के उत्पादन की माला में कभी न होने देने की पृष्टि से सर्वसाधारण के हिल में ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः केर्न्याय सरकार, चौनी उपक्रम (प्रबन्ध यहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठिन उपधारा (1) कि खण्ड (ख) हारा प्रदत्त प्रक्तिसमें का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रासय, (खाद्य विभाग) की अधि-सूजना सं० का०आ० 194 (अ), नारीख 22 सार्च, 1983 के कम में यह घोषित करती है कि 22 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति, हस्तान्तरण पन्नों, करारों, व्यवस्थापनों पचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य सिखतों से प्रोव्भृत या उदभूत होने वाली सभी वाध्यनाओं और वाधित्यों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 26 विसम्बर, 1984 तक की और अवधि के लिए निलम्बत रहेगा।

[सं o 13/1/84-एस एस यू-**र्य**]

S.O. 179(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Bhaitalpur in the disrict of Deoria in the State of Uttar Pradesh being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 149(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking of that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 26th December, 1984.

[F. No. 13-1]84-NSU(E)]

का०आ० 180(अ). — केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि वेवरिया चीनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रवेश राज्य के देवरिया जिले में वेवरिया में चीनी का विनिर्माण कर नही है और जो अधिसूचित चीनी उपकम है के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की माता में कभी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 के 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साध पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) बारा प्रदत्त. शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 195(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रयुक्त

ऐसी सभी संविदाओं सम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामीं एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 26 दिसम्बर, 1985 तक की अविध के लिए निलम्बित रहेगा।

[स॰ 13-1/84 एन॰एस॰ यू-एफ]

S.O. 180(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Gvernment of India in the Ministry of Food and Civil Supplies, (Department of Food) N. S.O. 195(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances perty, agreements, settlements, awards. orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March. 1984 to the 26th December. 1984.

[F. No. 13-1|84-NSU(F)]

का०आ० 181 (ब):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि सेकसिरया जीनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के गोंडा जिले में बबेनान में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की माला में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा कराना आवश्यक है;

न्जनः केन्द्रीय सरगर बोनी उपक्रम (प्रवन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के नाथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त णैतितयों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति संवालय, (खाद्य विभाग) की अधिसूपना सं० का०औं० 196(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के कम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐनी सभी संविवाओं गम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्यानूत, वाधित्वों से संवंधित है) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी वाध्यताओं और वाधित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लाग किए जा सकते हैं, पवर्तन 28 मार्च 1984 से 12 मार्च, 1985 तक की और अवधि के लिए निलम्बिट रहेगा।

[मं॰ । 3-1/84 एत.एस.यू.-जी

S.O. 181(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Seksaria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Babhnan in the district of Gonda in the State of Uttar Pradesh being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in contnuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 196(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreement, settlements, awards standing orders or other instruments in force, immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar underaking or the person owning the said sugar undertaking is party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 21th March 1985.

[F. No. 13-1|84-NSU(G)]

का०आ० 182(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केशोराय पाटन सहकारी शुगर मिल्स लिमिटेड, जो राजस्थान राज्य में बुन्दी जिले में केशोराय पाटन में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपकम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की माला में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक हैं;

अतः, केन्द्रीय मरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण), अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंजालय (खाद्य विभाग) की अधिस्ता संठ का०आ० 197(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के कम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च 1980 के टीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी संविदाओं, सम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनस भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से मंबंधित है) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम है या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 12 दिसम्बर, 1984 तक को और अर्थाव के लिए निलम्बित रहेगा।

[मं० 13-1/84-एन एस यू-एच] एन० आर० बनर्जी, संयुक्त सचिव

S.O. 182(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shri Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills Limited, manufacturing

sugar at Keshoraipatan in the district of Bundi in the State of Rajasthan, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 197(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the ope-

ration of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances ot property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 12th December, 1984.

[F. No. 13-1|84-NSU(H)]

N. R. BANERJEE, Jt. Secv.